

28⁵/₁₉

पञ्चमी पत्र, सुई (वर्षा व डगके वकील आदि)
आदि-2 काकाग काकाके गडे। कडे आजीम गडे। का
व डगके वकील का अनुपस्थिति में वर सारस हजारी
अरम पेशवा में खासिय किया जाया है। काकाग के
सुगम होकर गडकर ही काका ही लख वर सारस के
गडार ही)

पु